No. of Printed Pages : 4

IBO-05

06261

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2012

IBO-05 : INTERNATIONAL MARKETING LOGISTICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt **any five** questions. All questions carry **equal** marks.*

1. Explain the concept of marketing logistics, and discuss its significance in international trade. **5,15**

2. (a) Describe the limitations of conventional ships in loading break-bulk cargo. **12,8**

   (b) Explain as to how has containerisation helped in overcoming these constraints ?

3. (a) Describe the concept of 'economic order quantity' and state as to why is it regarded as a cost optimisation technique ? **8,12**

   (b) "To keep pace with fast industrial growth and for facilitating export trade, the Central Warehousing Corporation has established various warehousing facilities at port towns and industrial cities." Discuss.

4. Enumerate the salient features of commercial shipping and explain its importance for the development of international trade. 10,10

5. (a) Describe the basic principles governing the liner freight rates. 10,10

(b) "Difference between domestic and international logistics can be said to arise on account of three major factors." Discuss.

6. What are the various ways in which a ship can be chartered ? Explain main clauses and responsibilities of ship owners in any one of these methods. 6,14

7. (a) Outline the role of International Chamber of Commerce in preventing and restricting the possibilities of maritime frauds. 12, 8

(b) Explain the salient features of Australian Legislation for curbing unfair trade practices of carriers/conferences.

8. *Write explanatory notes on* ***any two*** *of the following :* 10,10

(a) International Maritime Bureau

(b) Types of surcharges on Basic freight rates in liner shipping.

(c) Structure of Shipping Services

(d) New policy package for shipping in India

आई.बी.ओ.-05

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

आई.बी.ओ.-05 : अंतर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कोई **पाँच** प्रश्न कीजिए। सभी प्रश्नों के **अंक समान** हैं।*

1. विपणन लाजिस्टिक्स की अवधारणा की व्याख्या कीजिए, तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में इसके महत्त्व का विवेचन कीजिए। 5,15

2. (a) पारंपरिक जहाजों की ब्रेक बल्क कार्गो के लदान संबंधी सीमाओं का वर्णन कीजिए। 12,8

   (b) यह बताइए कि कन्टेनरीकरण इन परेशानियों को दूर करने में किस प्रकार सहायक हुआ है।

3. (a) आर्थिक आदेश मात्रा की अवधारणा की व्याख्या कीजिए तथा यह बताइए कि क्योंकर इसे लागत को अनुकूलतम करने वाली तकनीक माना जाता है। 8,12

   (b) तीव्र औद्योगिक विकास के साथ चलने के लिए तथा निर्यात व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए केन्द्रीय माल गोदाम निगम ने बंदरगाह एवं औद्योगिक नगरों में अनेक मालगोदाम सुविधाएं स्थापित की हैं। व्याख्या कीजिए।

4. व्यापारिक नौपरिवहन की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास में इसके महत्त्व की व्याख्या कीजिए। 10,10

5. (a) लाइनर भाड़ा दरों को प्रभावित करने वाले आधार भूत सिद्धांतों का वर्णण कीजिए। 10,10

(b) "घरेलू तथा अन्तर्राष्ट्रीय लाजिस्टिक्स के बीच अन्तर मुख्य रूप में तीन कारणों से उत्पन्न होता है।" विवेचन कीजिए।

6. एक जहाज को चार्टर करने की विभिन्न विधियां क्या हैं? व्याख्या कीजिए, तथा इन में से किसी एक के मुख्य वाक्यांशों एवं जहाज मालिकों के उत्तरदायित्वों का वर्णन कीजिए। 6,14

7. (a) अन्तर्राष्ट्रीय सामुद्रिक धोखाधड़ी (कपटों) की रोकथाम एवं उनसे बचाव में अन्तर्राष्ट्रीय चैंबर आफ कामर्स की भूमिका का वर्णन कीजिए। 12, 8

(b) वाहकों/कान्फ्रेंसों के अनुचित व्यापारिक व्यवहारों पर रोक लगाने के संबंध में आस्ट्रेलिया के विधान की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ लिखिए। 10,10

(a) अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री ब्युरो

(b) आधारभूत भाड़ा दरों पर लाइनर नौपरिवहन अधिभारों (Surcharges) के प्रकार

(c) जहाजी सेवाओं की संरचना

(d) भारत में नौपरिवहन के लिए नये नीति पैकेज